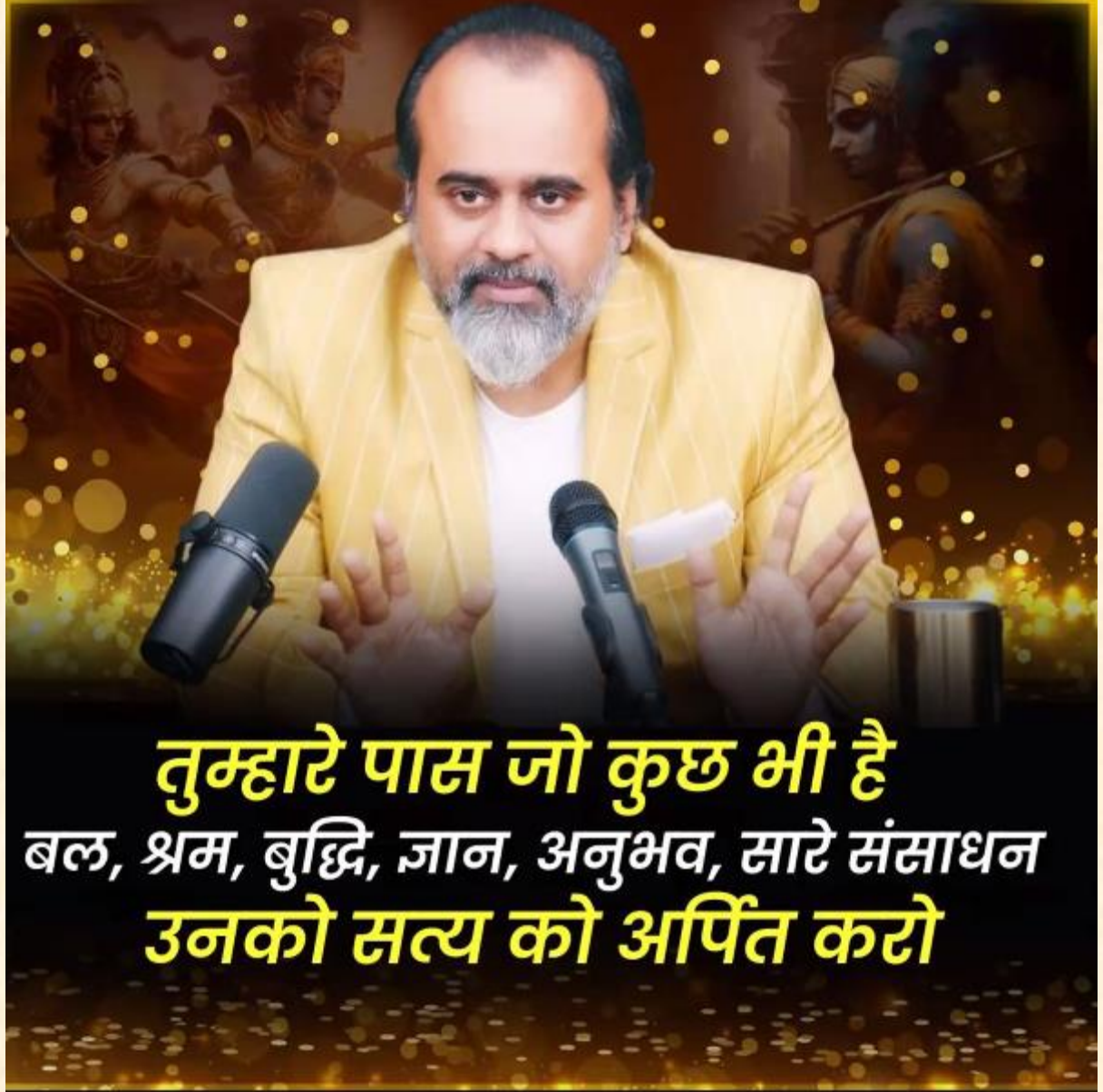


Date : 23th May 023



- वृद्धि : अहम को आत्मा तक ले जाना वृद्धि कहलाती है।
- अहम को आत्मा चाहिए तो यज्ञ एकमात्र उपाय है।
- जिन चीजों को निश्चित मानकर बैठे हो उनकी फाइल दोबारा खोलो। जिन चीजों को मैं जैसे मान बैठा हूँ क्या वो वैसी ही हैं।
- यज्ञ में संसाधन उस तरह से महत्वपूर्ण है जिस तरीके से राही को अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए रास्ते की जरूरत होती है।
- हरिजन तो हारा भला, जीतन दे संसार हारा सो हरि से मिला, जीता जम के द्वार।
- जहा तक हो सके प्रयास फिर प्रार्थना
- Embrace the Hardship and stay firm at your position and climb towards truth.